(b) what are the grades of Indian coal in which sampling is done at present;

(c) whether it is possible to blend different grades of coal to produce standard coal for different industrial purposes including the steel industry; and

(d) if so, what are the details thereof?

THE MINISTER OF ENERGY (SHRI VASANT SATHE): (a) and (b) For determining the Grade of coal, initially 5 samples from the face of coal seam are drawn. This is followed by taking loading samples as per specification. In case joint sampling with consumers is agreed then the same is done by mutually agreed procedure or Indian Standard Institute method at colliery end or at receiving end. Different grades intt which Indian coals are classified are—

(i) Grades 'A' to 'G' for non-coking coals based on their useful Heat value;

(ii) Gr. SC-I and SC-II for 'Semi-coking coal based on ash-moisture content;

(iii) Gr. ST-I and ST-II and Washery I to Washery IV for coking coal based on ash percentage.

(c) and (d) Blending of low grade coking coal with high grade coking coal is done by steel plants. At present, Coal India Ltd. has no proposal to blend different grades of coal for supply to consumers.

नकली सीमेन्ट का विनिर्माण और बिक्री

2258. **श्रीमती वीणा वर्मा :**
श्री कपिल वर्मा :

क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि देश में नकली सीमेंट बनाकर बेचने का धंधा जोरों पर चल रहा है ; और

(ख) यदि हां, तो पिछले तीन वर्षों के दौरान ऐसे कितने मामलों का पता चला है ?

उद्योग मंत्रालय में औद्योगिक विकास विभाग में राज्य मंत्री (श्री एम अरुणाचलम्) : (क) और (ख) देश में बड़ी मात्रा में नकली सीमेंट के निर्माण तथा विक्रय के संबंध में कोई रिपोर्ट नहीं है। फिर भी, उपभोक्ताओं के हितों की सुरक्षा के लिए सरकार ने कुछ महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। गुणवत्तापूर्ण सीमेंट के निर्माण तथा विक्रय का सुनिश्चिय करने के उद्देश्य से सीमेंट (गुणवत्ता नियंत्रण) आदेश, 1962 में वर्ष 1983 में संशोधन किया गया था। इस संशोधन के परिणामस्वरूप, 1-7-83 से सीमेंट के लिए भारतीय मानक ब्यूरो (भूतपूर्व आई एस आई) के मानक चिन्ह को अनिवार्य बना दिया गया है तदनुसार, सीमेंट पर ब्यूरो के मानक चिन्ह के प्रयोग के लिए सभी सीमेंट निर्माताओं के लिए भारतीय मानक ब्यूरो से अनिवार्य रूप से लाइसेंस प्राप्त करना होता है। जो सीमेंट निर्माता भारतीय मानक ब्यूरो के मानकों को पूरा नहीं करते उनके खिलाफ भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा उचित कार्यवाही की जाती है

Application for setting up Industries in Rajasthan

2259. SHRI SANTOSH BAGRODIA: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) the number of applications received by Government to set up industries in Rajasthan during the last three years;

(b) the number of letters of Intent and licences issued in this regard during this period; and

(c) the number of applications rejected alongwith the grounds of rejection ?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI M. ARUNACHALAM): (a) During the years 1985, 1986 and 1987 (upto 23-11-87), 116, 88 and 70 Industrial Licence applications were received respectively under the provisions of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 for the grant of Letters of